



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 10 जनवरी, 2005/20 पौष, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

शिमला, 31 दिसम्बर, 2004

संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे) 2002-16024-30. —यह कि खण्ड विकास अधिकारी, चौपाल से प्राप्त सूचना अनुसार श्रीमती विनता देवी पंचायत समिति सदस्या, वार्ड नेरवा, विकास खण्ड चौपाल ने अपनी दो जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 10-4-2004 को तीसरी सन्तान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ग) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पंजीकृत पत्र संख्या पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (दो बच्चे) 2002-12258-12262, दिनांक 16-11-2004 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था ।

यह कि उक्त श्रीमती विनता देवी, पंचायत समिति सदस्या, वार्ड नेरवा ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है, इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है ।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, चौपाल की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्रीमती विनता देवी, पंचायत समिति सदस्या, वार्ड नेरवा की तीसरी सन्तान पैदा हुई है, जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ग) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् दिनांक 10-4-2004

को तीसरी सन्तान पैदा करके व उक्त पंचायत समिति सदस्या, वाडं नेरवा के पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गई है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1)(ण) की उल्लंघना करने पर श्रीमती विनता देवी, पंचायत समिति सदस्या, वाडं नेरवा को पंचायत समिति सदस्या पद पर बने रहने के लिए अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त नियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत पंचायत समिति सदस्या, वाडं नेरवा के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उनके पास पंचायत समिति की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे कार्यकारी अधिकारी, पंचायत समिति चौपाल को सौंप दें।

एस० के० बी० एस० नेगी,
उपायुक्त,
शिमला, जिला शिमला (हि० प्र०)।

कार्यालय उपायुक्त, ऊना जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

ऊना, 4 जनवरी, 2005

क्र० संख्या पंच-ऊना (निर्वाचन)-2003-1559-63.—यह कि श्री देस राज, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कुठारखुर्द, विकास खण्ड ऊना, जिला ऊना का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है जो कि निम्न प्रकार से है : -

(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान हैं परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निर्हरता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज संशोधित अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात और सन्तान नहीं होगी।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी है तथा खण्ड विकास अधिकारी, ऊना से प्राप्त पत्र संख्या 4098, दिनांक 7-12-2004 की समीक्षा करने पर श्री देस राज, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कुठारखुर्द, विकास खण्ड ऊना के घर दिनांक 4-10-2004 को पांचवां जीवित बच्चा (लड़की) पैदा हुआ है। इस सम्बन्ध में स्थानीय पंजीयक जन्म एवं मृत्यु ग्राम पंचायत कुठारखुर्द द्वारा जारी प्रमाण-पत्र इस कार्यालय में प्राप्त हुआ है जिस कारण हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) के प्रावधान अनुसार उप-प्रधान पद पर बने रहने के आप अयोग्य हो चुके हैं।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप इस नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त वर्णित अयोग्यता के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जावे।

रजनीश (भा० प्र० से०),
उपायुक्त ऊना,
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।